...राज्य और सरकार दोनों संस्थाओं का अध्ययन करता है।

ES-(2) राजनीति POLITICS

राजनीति के संदर्भ में विभिन्न दृष्टिकोण प्रचलित रहे हैं और इस बात को लेकर असहमतियां रही हैं कि सामाजिक जीवन के किस पहलू को राजनीति के अंतर्गत देखा जाए?

एक ओर कुछ लोग व्यापक अर्थों में मानते हैं कि व्यक्तिगत ही राजनीतिक है। अर्थात राजनीतिक जीवन की विशेषताओं या लक्षणों को किसी भी संबंध में देखा जा सकता है जैसे स्त्री-पुरुष या परिवार के संबंध में, वहीं दूसरी और कुछ लोग तुलनात्मक रूप से संकीर्ण दृष्टिकोण से यह मत करते हैं कि राजनीति केवल सरकार और राज्य के स्तर पर ही घटित होती है जिसमें दलीय प्रतिस्पर्धा भी शामिल होती है।

राजनीति के संदर्भ में दो आधारभूत प्रश्न भी उठाए जाते हैं

(1) क्या मनुष्य के अतिरिक्त किसी अन्य प्राणी में भी राजनीति देखी जाती है?

(2) क्या कोई समाज ऐसा भी हो सकता है जहां राजनीति न हो?

पहले प्रश्न के संदर्भ में आधुनिक मुख्य धारा की सहमति यह है कि राजनीति का संबंध सिर्फ मनुष्यों से है क्योंकि वही अपनी बात को सम्प्रेषित कर सकता है, वक्तव्य जारी कर सकता है

सिद्धांत बनाता है तर्क देता है और असहमति व्यक्त करता है।

दूसरे प्रश्न के संदर्भ में यह कहा जाता है कि प्राकृतिक अवस्था में राजनीति का अस्तित्व नहीं था क्योंकि लोग एक दूसरे के साथ संघर्ष व युद्ध की अवस्था में थे।

इसी संदर्भ में बर्नार्ड क्रिक ने अपनी पुस्तक In Defence of Politics में लिखा कि रा० की संकल्पना समय और स्थान की दृष्टि से बहुत सीमित है और यह केवल विशिष्ट प्रकार के उदारवादी और बहुलवादी समाजों में देखने को मिलती है जो विचार व्यक्त करने व खुली बहस की अनुमति देते हैं।

कुल मिलाकर ऐसा कहा जाता है कि राजनीति वहीं घटित होती है जहां लोग वस्तुओं, लाभों और पदों के वितरण को लेकर असहमत होते हैं और वहां ऐसी असहमतियों को सुलझाने की कोई न कोई प्रक्रिया अवश्य होती है।

दूसरे शब्दों में राजनीति के अंतर्गत विभिन्न मतों की उपस्थिति, भिन्न-भिन्न इच्छायें, आवश्यकताओं व हितों को लेकर प्रतिस्पर्धा एवं उन नियमों को लेकर असहमति देखी जाती है जिसके अधीन लोग रहा करते हैं और इन सब के साथ राजनीति में संघर्ष, सहयोग और समाधान की प्रक्रिया भी चलती रहती है।

कुलमिलाकर राजनीति के संदर्भ में चार दृष्टिकोण देखने को मिलते हैं।

1. इसका संबंध विशेष रूप से सरकार की कला और राज्य की गतिविधियों से है
2. इसका संबंध व्यक्तिगत क्षेत्र की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियों से अधिक है